मूल्य 1 रु.
वर्ष: 13 - अंक : 263, मुंबई, सोमवार, 11 दिसंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

जनवरी में शुरू होगा मुंबई कोस्टल रोड

मुख्यमंत्री शिंदे ने दी जानकारी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। बीएमसी की महत्वाकांक्षी मुंबई कोस्टल रोड परियोजना का पहला चरण जनवरी महीने से शुरू किया जाएगा। यह जानकारी शनिवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सीएसआर एक्सलन्स अवॉर्ड समारोह के दौरान दी। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित थे। सीएम शिंदे ने बताया कि मरीन ड्राइव और वर्ली के बीच कोस्टल रोड का पहला चरण अगले महीने शुरू किया जाएगा। कोस्टल रोड खुलने से मुंबईकरों का समय बचेगा। महाराष्ट्र ग्रोथ इंजन है, आज सबसे ज्यादा इंफ्रा प्रोजेक्ट महाराष्ट्र में हैं। पहले परियोजनाओं का काम बंद था। हमारी सरकार आई तो सारी योजनाएं शुरू हो गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

ओबीसी आयोग और सरकार के बीच बढ़ा विवाद

इस्तीफे की लगी झड़ी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। राज्य में मराठा आरक्षण को लेकर ओबीसी बनाम मराठा की लड़ाई चल रही है। इसी बीच पिछड़ा वर्ग आयोग और राज्य सरकार के बीच खींचतान देखने को मिल रही है। बताया गया है कि ओबीसी आयोग के कामकाज में सरकार के हस्तक्षेप से सदस्य नाराज हो गए हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सीएम के पत्र पर नाराजगी

चर्चा है, कि सरकार और आयोग के सदस्यों के बीच मतभेद पैदा हो गये हैं। आरोप लगा है कि राज्य सरकार ओबीसी आयोग के कामकाज में दखल दे रही है। बताया गया है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा लिखे गये पत्र पर कुछ सदस्यों ने नाराजगी जताई है। 13 नवंबर को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश आनंद निरगुडे को पत्र लिखा था। इसमें मराठा समुदाय को पिछड़ा वर्ग या ओबीसी में शामिल करने का जिक्र था। उनके पत्र में 10 सूत्री मुद्दों अथार्त टर्म्स ऑफ रेफरेंस में सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक पिछड़ेपन की जांच के लिए मानदंड और पैरामीटर तय करने को कहा गया।

एक और सदस्य के इस्तीफे की चर्चा

मराठा समुदाय के सर्वे के मुद्दे पर पिछड़ा वर्ग आयोग में पहले से ही मतभेद सामने आने लगे हैं। आयोग के कामकाज में बढ़ते हस्तक्षेप, जाति-मुक्त सर्वेक्षण में बाधा समेत अन्य कारणों से आयोग के सदस्य इस्तीफा दे रहे हैं। इससे पहले आयोग के सदस्य सोनवणे और एड. बालाजी किल्लारीकर ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद लक्ष्मण हाके ने भी इस्तीफा दे दिया। अब खबर है, कि एक और सदस्य इस्तीफा देने की तैयारी में है।

एयरपोर्ट पर नाइजीरियाई महिला गिरफ्तार

2 करोड़ की हेरोइन जब्त

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक नाइजीरियाई महिला को गिरफ्तार किया है। महिला पर मुंबई से दिल्ली दो करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन की तस्करी करने का आरोप है। सीमा शुल्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया की विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, एआईयू ने सुबह मुंबई से दिल्ली की यात्रा कर रही महिला को रोका था। उसकी तलाशी लेने के बाद एआईयू के अधिकारियों ने उसके अंतः वस्त्र में छिपाकर रखे गए 20 कैप्सूल जब्त किया जिनमें कथित तौर पर हेरोइन थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

प्याज निर्यात प्रतिबंध के खिलाफ मैदान में उतरे शरद पवार

...करेंगे मुंबई-आगरा हाईवे पर 'रास्ता रोको' आंदोलन

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। बढ़ते प्याज के दाम को देखते हुए केंद्र सरकार ने बीते 3 दिनों पहले प्याज के निर्यात को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। शुरूआत में प्याज के निर्यात शुल्क और फिर न्यूनतम निर्यात मूल्य में बढ़ोतरी के बाद अब केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे किसान परेशान हैं। केंद्र सरकार के इस फैसले का कड़ा असर देखने को मिल रहा है। इसका विरोध न केवल देश के किसान कर रहे है बल्कि इसके विरोध में नेता भी आगे आ रहे है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई आगरा हाईवे पर ब्लॉक रोड

निर्यात प्रतिबंध समेत प्याज पर केंद्र सरकार की ढर्रे वाली नीतियों के विरोध में यह आंदोलन किया जाएगा। सामने आई जानकारी के मुताबिक, इस मौके पर शरद पवार किसानों से बातचीत करेंगे। उनके कार्यकर्ताओं ने कहा है कि कई सालों के बाद शरद पवार खुद किसान आंदोलन में शामिल होंगे। इस बीच, पवार के नासिक दौरे के दौरान नासिक में इस समय 'महाराष्ट्र के 83 वर्षीय युवा योद्धा' जैसे बैनर लहरा रहे हैं। इस तरह केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ शरद पवार मैदान में उतरेंगे।

हमारी बात

जो बोलेगा, वो जाएगा!

मोइत्रा के मामले में इथिक्स कमेटी की रिपोर्ट को सांसदों को पढ़ने का पर्याप्त समय दिया जाता और मोइत्रा को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता, तो संदेश यह जाता कि उन पर कार्रवाई न्याय की सामान्य प्रक्रियाओं के अनुरूप की गई है।

इस बात को साक्ष्यों के आधार पर कहना मुश्किल हो सकता है, फिर भी यह धारणा देश में गहराती जा रही है कि एक उद्योगपति विशेष से वर्तमान सरकार की निकटता पर बोलने वाले लोगों की खैर नहीं है! संसद में तीन सदस्यों ने ऐसा करने की कीमत चुकाई है। सबसे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द हुई, जो सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक हस्तक्षेप से जाकर बहाल हो पाई। उसके बाद आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के जेल जाने की नौबत आई। और अब तृणमूल कांग्रेस की सदस्य महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता छीन ली गई है। यह तो नेताओं की बात है। पत्रकारिता में भी ऐसी कुछ मिसालें हैं, जिनके आधार पर ऐसी धारणा गहराई है। ध्यान देने की बात यह है कि अक्सर कई ऐसी धारणाओं, जिनके सिर-पैर नहीं होते, लेकिन वे भी लोगों के मन में बैठती चली जाती हैं। फिलहाल, गौरतलब यह है कि मीडिया और राजनीतिक कथानक पर सत्ताधारी पार्टी के लगभग पूरे नियंत्रण के बावजूद जनमत के एक बड़े हिस्से में उपरोक्त धारणा मजबूत होती चली गई है। संभवतः ऐसा नहीं होता, अगर उपरोक्त नेताओं या पत्रकारों पर कार्रवाई की प्रक्रिया पारदर्शी रखी जाती और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन होता दिखता। मसलन महुआ मोइत्रा के मामले में इथिक्स कमेटी की रिपोर्ट सदन में लाने से पहले लोकसभा सदस्यों को उसे पढ़ने का पर्याप्त समय दिया जाता और मोइत्रा को उस पर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता, तो संदेश यह जाता कि उन पर कार्रवाई न्याय की सामान्य प्रक्रियाओं का पालन करते हुए की गई है। जबकि बीते हफ्ते जिस रूप में यह संसदीय कार्रवाई हुई, उसे बहुमत के जरिए पूर्व निर्धारित निर्णय को थोपने की प्रक्रिया के रूप में देखा गया है। फिलहाल, पर्याप्त सियासी बहुमत और चुनाव मशीनरी की अपनी बेजोड़ ताकत के बूते भारतीय जनता पार्टी ऐसे संदेशों और धारणाओं की परवाह नहीं कर रही है। लेकिन उसे यह याद रखना चाहिए कि उसका यह नजरिया देश और लोकतंत्र के हित में तो नहीं ही है, यह खुद उसके दीर्घकालिक भविष्य के लिए भी हानिकारक हो सकता है।

प्रथम पुण्य तिथि पर विशेष

कृतित्व के लिए पद्मश्री व व्यक्तित्व के लिए 'माई' की उपाधि से नवाजी गयीं थीं सुलोचना चव्हाण

मुंबई हलचल/सैयद रिजवान अली

मुंबई। देश की प्रसिद्ध मराठी गायिका, पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित दिवंगत श्रीमति सुलोचना चव्हाण की पहली पुण्यतिथि पर स्वाभाविक है कि उनके प्रियजन पुरानी यादों में डूबे हुए हैं। पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर एक सादे समारोह में प्रार्थना व भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जब हमारी वरिष्ठ स्व तंत्र लेखिका शशि दीप ने उनकी बहू प्रफुल्ला चव्हाण और उनकी पोती सुश्री आरती चव्हाण से मुलाकात की तब उन्होंने बताया कि वे बेहद प्यारी और दयालु ही नहीं बल्कि वह निस्वार्थ और ईमानदारी से लबरेज शख्सियत थीं। आज जब हम उन्हें याद करते हैं तो एहसास होता है कि वे सिर्फ हम परिजनों व महाराष्ट्र के लिए ही नहीं अपितु संपूर्ण देश के लिए एक अपनी कला रूपी बेशकीमती विरासत छोड़ गयीं हैं। उस दुखद दिन को एक साल बीत चुका है, जब वे ईश्वर इच्छानुसार अनंत यात्रा के लिए निकल गयीं थी लेकिन उनकी मधुर यादों से अक्सर आंखें नम हो जाया करती है। वे हमारे दिलों में हमेशा बसी रहेंगी व हमें प्रेरणा प्रदान करती रहेंगी। उनकी विरासत को उनके बेटे श्री विजय चव्हाण ने जारी रखा है जो एक मास्टर ड्रमर और लोक तालवादक हैं।

सुलोचना चव्हाण महाराष्ट्र की एक सुप्रसिद्ध सम्माननीय हस्ती हैं। महाराष्ट्र में शायद ही कोई ऐसा शख्स हो जो संगीत में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण उन्हें नहीं जानता हो, उन्हें अधिकांश सम्माननीय पुरस्कार लता मंगेशकर, महाराष्ट्र शासन, महाराष्ट्र भूषण और अंत में वर्ष 2022 में पद्मश्री प्राप्त हुए थे जो उनकी महानता का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। लेकिन इन सबके अलावा एक उल्लेखनीय बात यह थी कि वह एक प्यारी इंसान थीं और सभी के लिए बहुत खूबसूरत दिल की मल्लिका थीं। जो भी उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलता था, वे उनसे परिवार के किसी सदस्य स्वरूप मिलने की भावना रखतीं थीं। शिद्दत से आवभगत करती थीं और दिल से मिलती थीं। और इसीलिए उनके इस स्वभाव और दृष्टिकोण ने उन्हें एक बहुत ही प्रमुख व्यक्तित्व बना दिया और उन्हें 'माई' की उपाधि मिली जिसका मराठी में अर्थ होता है माँ। सभी लोग उन्हें माई कहने लगे। कोई भी उसे उसके नाम से नहीं बुलाता था। उसकी एक बेहद प्यारी आदत थी कि जो भी घर आता था वह उसे खाना परोसती थी, चाहे कोई भी हो और किसी भी वक्त आयें और इसलिए सभी वर्ग के लोग चाहे उच्च कोटि या निम्न वर्ग सभी उनके यहाँ खाते थे और इसलिए उसके गायन के अलावा सभी उनकी पाक कला के बहुत बड़े प्रशंसक थे। वह एक बेहतरीन रसोइया थीं, उनकी पोती आरती बताती हैं 'अब जब भी मैं उन्हें जानने वाले लोगों से मिलती हूं तो सबसे पहले वे उनकी गायकी के बारे में बात करते हैं, फिर उनके खाने और जिस तरह से वह सभी आवभगत देखभाल करती थीं, उन सब बातों को प्रेम व आदर पूर्वक याद करते हैं। उसकी आत्मा स्वर्ग में आनन्दित हो यही गणपति बप्पा से प्रार्थना है' उक्त जानकारी वरिष्ठ लेखिका स्तंभ लेखक शशि दीप मुंबई

दिसंबर माह जन्म दिन पर विशेष

स्वतंत्रता सेनानी मौलाना सलामतुल्लाह बेग रह.

मौलाना सलामतुल्लाह बेग , जिन्होंने महात्मा गांधी के आह्वान के जवाब में 1940 में सविनय अवज्ञा आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था, उनका का जन्म 8 दिसंबर, 1911 को उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के फखरपुर में हुआ था। बचपन से ही उनकी पढ़ाई में बहुत रुचि थी और वे हमेशा एक मेधावी छात्र रहे। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा अपने पैतृक स्थान 'मदरसा जवाहरुल उलूम' में पूरी की और उच्च शिक्षा के लिए कानपुर के एक धार्मिक शिक्षण संस्थान में शामिल हो गए। उन्होंने उस संस्थान में उर्दू, अरबी और फारसी भाषाएं सीखीं। इसके बाद आगे की शिक्षा के लिए वह देवबंद के प्रसिद्ध दारुल उलूम में शामिल हो गये। मौलाना सलामतुल्लाह बेग असाधारण रूप से मेधावी थे और जिन भी शैक्षणिक संस्थानों में उन्होंने पढ़ाई की, वहां के शिक्षकों के लिए हमेशा आकर्षण का केंद्र बने रहे। 1936 में उन्होंने दारुल उलूम से 'फाजिल' पाठ्यक्रम पूरा किया। उन्हें राष्ट्रीय आंदोलन की प्रेरणा दारुल उलूम में अपने शिक्षक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी हजरत मौलाना सैयद हुसैन अहमद मदनी से मिली, जो शेखुल इस्लाम के नाम से प्रसिद्ध थे और जो अपने छात्रों को स्वतंत्रता सेनानियों के रूप में तैयार करते थे। वह विदेशी शासन के तहत अपने लोगों पर होने वाली मानसिक और शारीरिक हिंसा को खत्म करना चाहते थे।

इसलिए उन्होंने अपनी पढ़ाई से ब्रेक ले लिया और सविनय अवज्ञा आंदोलन में कूद पड़े, जो 1940 में विदेशी शासन के खिलाफ महात्मा गांधी के आह्वान के जवाब में शुरू हुआ था। उन्होंने आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया। उन्होंने अपने अद्भुत भाषणों और प्रेरणादायक लेखों से लोगों को राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल किया और जल्द ही बहराइच क्षेत्र में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता के रूप में विकसित हुए। उनकी गतिविधियों से क्षुब्ध होकर ब्रिटिश सरकार ने उन्हें कैद कर लिया तथा मानसिक एवं शारीरिक यातनाएं देकर उन्हें राष्ट्रीय आन्दोलन से दूर करने का प्रयास किया। जब सलामतुल्लाह बेग को रिहा किया गया, तो उन्होंने जनता को शिक्षित करने के लिए नुरुल उलूम जैसे शैक्षणिक संस्थान शुरू किये। जीवन भर राष्ट्रवादी रहे मौलाना सलामतुल्लाह बेग ने कभी खादी पहनना नहीं छोड़ा। स्वतंत्रता के बाद, मौलाना सलामतुल्लाह बेग, जिन्होंने कई उच्च पदों का आनंद लिया, ने अपनी अंतिम सांस तक शिक्षा के लिए सेवा की और 18 जुलाई, 1991 को उनका निधन हो गया।

(स्रोतः द इम्मोर्टल्स-2, सैयद नसीर अहमद द्वारा) संकलन प्रस्तुति साजिद खान धनपुरी शहडोल मध्य प्रदेश

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

शिल डायगर पुलिस स्टेशन अंतर्गत रिंगटोन डांस बार पर पुलिस की छापेमारी

नाबालिक बार बालाएं से कराया जा रहा था अश्लील नृत्य, 25 बार बालाएं 42 ग्राहक स्टाफ समेत पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा शिल। बार में नाबालिक बार बालाएं द्वारा अश्लील नृत्य करने पर राज्य सरकार की तरफ से प्रतिबंध लगाया गया है लेकिन देखा जा रहा है डांस बारों में रात के समय घुंघरू की खनक सुनाई देती है जहां पर ग्राहक अपनी मेहनत की कमाई डांस बारों में अश्लील नृत्य करती हुई नाबालिक लड़कियों पर लूटते हुए नजर आते हैं।

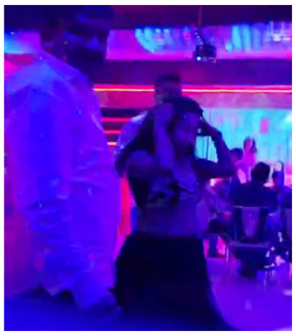

कल्याण फटा परिसर से लेकर पनवेल जाने वाले महामार्ग पर लेडीज डांस बारों की भरमार है जिस पर प्रतिबंध लगाना अत्यंत आवश्यक है आपको बताते चले कल्याण फटा परिसर स्थित रिंगटोन डांस बार पर नाबालिक बार बालाएं को अश्लील नृत्य कराया जा रहा था जिसकी शिकायत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी को की गई थी मामले की गंभीरता को समझते हुए पुलिस द्वारा रिंगटोन डांस बार पर छापेमारी करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 8 दिसंबर शुक्रवार आधी रात के समय ठाणे पुलिस आयुक्तालय जोन एक के उपायुक्त गणेश गावडे द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के निर्देश पर छापेमारी की गई जिसमें 25 बार बालाएं और 42 ग्राहक समेत स्टाफ को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया बताया जा रहा है रिंगटोन बार में नाबालिक बार बालाएं द्वारा ग्राहकों को खुश करने के लिए अश्लील नृत्य कराया जाता था जिसकी शिकायत पुलिस को लगातार मिल रही थी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आधी रात को छापामारी कर नृत्य कर रही नाबालिक बार बालाएं समेत ग्राहकों और स्टाफ को अपनी गिरफ्त में ले लिया गया है जिसके बाद शिल डायगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर नोटिस देकर पुलिस द्वारा छोड़ दिया गया है गौरतलब बात तो यह है कल्याण फटा परिसर से लेकर पनवेल जाने वाले महामार्ग पर लेडिस डांस बार की भरमार है जहां पर नाबालिक बार बालाएं को ग्राहकों को खुश करने के लिए अश्लील नृत्य कराया जाता है फिलहाल अब देखना यह है रिंगटोन डांस बार पर छापेमारी के बाद क्या कल्याण फटा से पनवेल की तरफ जाने वाले महामार्ग पर डांस बार बंद किए जाएंगे यह यूंही चलते रहेंगे यह देखने वाली बात होगी।

खेल प्रेमी द्वारा मुंब्रा शहर में किया जा रहा है क्रिकेट प्रतिस्पर्धा का आयोजन

...मगर दुर्भाग्यपूर्ण बात तो यह है कि मुंब्रा शहर में बच्चों को खेलने के लिए अब तक नहीं दिया गया है प्ले ग्राउंड, आखिर कब तक मुंब्रा शहर के बच्चों को प्ले ग्राउंड से वंचित रहना पड़ेगा, क्या सत्ताधारी पार्टी मुंब्रा में बच्चों को दे पाएगी प्लेग्राउंड?

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। इन दोनों मुंब्रा शहर में राजनीतिक दल द्वारा कौसा एमएमवैली परिसर स्थित मौलाना अब्दुल कलाम आजाद स्टेडियम में क्रिकेट खेल प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है, और बड़े ही पुरस्कार रखे जा रहे हैं आपको बताते चले बीते कुछ दिनों पहले अर्शिया वेलफेयर संस्था की रिदा रशीद द्वारा क्रिकेट प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया था और अब एनसीपी पार्टी की ओर से मुंब्रा कौसा टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष जनाब सैयद अली अशरफ उर्फ भाई साहब की तरफ से मुंब्रा प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया था जिसमें विजेता घोषित प्रथम टीम को 3,33,333/-रुपए की राशि प्रदान की जाएगी और द्वितीय टीम को 2,22,222/-रुपए की राशि प्रदान की जाएगी और अन्य पुरस्कारों की घोषणा कमेटी की ओर से बेस्ट बॉलर,और बेस्ट बैट्समैन, और बेस्ट फील्डर, को प्रदान की जाएगी। यह क्रिकेट प्रतिस्पर्धा का आयोजन 7 दिसंबर गुरुवार से आयोजन किया गया है और इसका समापन 10 दिसंबर रविवार को किया जाएगा जिसमें 16 टीम द्वारा भाग लिया गया है। गौरतलब बात तो यह है स्टेडियम में खेलने आए सभी खिलाड़ियों की जबान पर एक ही बात कहीं जा रही थी कि आखिर मुंब्रा शहर में बच्चों को खेलने के लिए प्लेग्राउंड सत्ताधारी पार्टी द्वारा कभी दिया जाएगा बीते 14 वर्षों से सिर्फ सुनहरे सपना दिखाए जा रहे थे। मगर आज तक बच्चों को खेलने के लिए प्लेग्राउंड पर्याप्त नहीं कराया गया। बीते वर्ष की बात है स्थानीय विधायक जितेंद्र अवार्ड द्वारा एमएमवैली परिसर में प्लेग्राउंड बच्चों के लिए देने की बात कही गई थी जिसकी जवाबदारी समाज सेवक एवं खेल प्रेमी और मशहूर बिल्डर शब्बीर खान को सोंपी गई थी लेकिन वे प्लेग्राउंड आज तक बच्चों को खेलने के लिए नहीं दिया गया करण यह बताया जा रहा है की जमीन के विवाद के चलते यह प्लेग्राउंड अब तक नहीं दिया गया है लेकिन जमीनी मालिक से सुलह करने के बाद प्लेग्राउंड बच्चों को दिया जाएगा। लेकिन खिलाड़ी द्वारा यह कहा जा रहा है की सिर्फ लॉलीपॉप देकर बच्चों को खुश कर दिया गया था। क्योंकि यह बात को भी काफी समय बीत गया और आज तक प्लेग्राउंड बच्चों को खेलने के लिए नहीं दिया गया। गौरतलब बात तो यह है स्टेडियम में खेलने आए तमाम खिलाड़ी बच्चों ने यह मांग की है कि जल्द ही मुंब्रा शहर में बच्चों को खेलने के लिए एक बेहतर प्लेग्राउंड दिया जाए जहां पर वह अपनी खेल को बेहतर बना सके और जिले स्तर पर, नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर खेलने के लिए सक्षम हो सके और मुंब्रा शहर का नाम रोशन कर सके फिलहाल सत्ताधारी पार्टी द्वारा आश्वासन दिया जा रहा है मगर सवाल यह उठता है क्या मुंब्रा शहर में बच्चों को खेलने के लिए सत्तादारी पार्टी द्वारा प्लेग्राउंड दिया जाएगा या यूं ही प्लेग्राउंड से वंचित रखा जाएगा? यह तो समय ही बताएगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

इस्तीफे की लगी झड़ी

इसके चलते एक सदस्य ने पिछले दिनों इस्तीफा दे दिया है, जबकि दूसरे मेंबर भी जल्द ही स्वायत्तता के मुद्दे को लेकर आयोग से बाहर हो सकते हैं। राज्य में मराठा आरक्षण को लेकर घमासान जारी है। मराठा समाज को सीधे कुनबी प्रमाणपत्र जारी किए जाने को लेकर मनोज जरांगे पाटिल और छगन भुजबल के बीच विवाद खड़ा हो गया है। छगन भुजबल और अन्य ओबीसी नेता मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे में से आरक्षण देने के खिलाफ हैं। इस मामले में सरकार में कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने स्वयं ओबीसी आयोग को ही कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग मराठा आयोग हो गया है। आरक्षण को लेकर गठित पिछड़ा वर्ग आयोग की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठ रहे हैं।

एयरपोर्ट पर नाइजीरियाई महिला गिरफ्तार

जांच के दौरान विक्टोरिया ओकाफोर नामक आरोपी ने स्वीकार किया कि वह मादक पदार्थ ले जा रही थी। यह मादक पदार्थ उसे पड़ोसी पालघर जिले के नालासोपारा के ओनी नामक व्यक्ति ने दिया था। महिला को एनडीपीएस कानून की संबंधित धाराओं में गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच जारी है। उस महिला के पास से 20 गोलियों के दो पाउच पाए गए थे। गोलियों की जांच करने पर पता चला कि इसमें मौजूद सफेद पाउडर 350 ग्राम हेरोइन है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 2 करोड़ रुपये है।

जनवरी में शुरू होगा मुंबई कोस्टल रोड

जनवरी के आखिर तक कोस्टल रोड का पहला चरण खोल दिया जाएगा और अगला चरण अगले साल शुरू होगा। सीएम शिंदे ने कहा कि शिवड़ी से न्हावा शेवा तक के 22 किमी एमटीएचएल भी अगले महीने शुरू हो जाएगा। इस परियोजना के खुलने से दो घंटे का सफर महज 15 मिनट में तय किया जा सकेगा। इससे मुंबईकरों का समय बचेगा।

प्याज निर्यात प्रतिबंध के खिलाफ मैदान में उतरे शरद पवार

जी हां आपको बता दें कि सरकार के इस फैसले के खिलाफ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार खुद मैदान में उतर गये हैं। शरद पवार के नेतृत्व में आज मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे पर रास्ता जाम किया जाएगा। ऐसे में अब स्थिति और भी बिगड़ने की आशंका है। इस बारे में विस्तृत जानकारी यह है कि केंद्र सरकार द्वारा प्याज पर लगाए गए निर्यात प्रतिबंध के खिलाफ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार खुद मैदान में उतर गए हैं। आज यानी सोमवार, 11 दिसंबर को शरद पवार के नेतृत्व में मुंबई आगरा हाईवे पर चांदवड़ चौफुली पर रास्ता रोको विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। आशंका है की इस विरोध प्रदर्शन में बड़े पैमाने पर किसान भी शामिल हो सकते है।

शराब के लिए पैसा ना देने पर लाठी से पीट-पीटकर पत्नी को उतारा मौत के घाट

गोरेगांव। मुंबई के बोरीवली जीआरपी ने ऐसे शराबी पति को गिरफ्तार किया है, जिसने पत्नी द्वारा शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर लाठी और डंडे से मारकर उसकी निर्मम हत्या कर दी। दअरसल मामला 7 दिसंबर का है। गोरेगांव पूर्व पांडुरंग वाड़ी रेलवे कंपाउंड झोपड़पट्टी में रहने वाला शराबी पति मोइनुद्दीन नसरुल्ला अंसारी (42) ने अपनी पत्नी परवीन मोइनुद्दीन अंसारी (36) से शराब पीने के लिए पैसे मांग रहा था। पत्नी द्वारा पति को शराब के लिए रुपये ना देने पर पति ने पत्नी की लात घूंसे और लाठी से पिटाई कर दी और पैसे लेकर शराब पीने चला गया। पिटाई की वजह से पत्नी परवीन मोइनुद्दीन अंसारी बेसुध होकर झोपड़पट्टी में पड़ी रही। जिसकी जानकारी स्थानिकों ने बोरीवली जीआरपी को दी। बोरीवली जीआरपी ने बेसुध अवस्था में परवीन मोइनुद्दीन अंसारी को नजदीकी शताब्दी हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया। जहा पर डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। बोरीवली जीआरपी ने हत्या का मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की और जांच में पता चला कि हत्यारे पति को शराब पीने की लत थी। जिसकी वजह से पति ने पत्नी की पीट पीट कर हत्या कर दी। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल कदम ने टीम बनाकर आरोपी की जांच शुरू की जांच में पता चला हत्या के बाद शराबी पति मोइनुद्दीन नसरुल्ला अंसारी गांव भागने की फिराक में था।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर

जब तक अल्पसंख्यकों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा, संघर्ष जारी रहेगा: नजरे आलम

मधुबनी। बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक उठापटक शुरू हो गयी है। राजनीतिक दल और उनके नेता भी जोड़-तोड़ में लग गये हैं। ऐसे में 18 फीसदी मुस्लिम आबादी का क्या होगा? उन्हें उचित प्रतिनिधित्व कब मिलेगा? इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया और दे भी क्यों? मुसलमानों के प्रतिनिधित्व से उनको क्या मतलब है? जब मुसलमान स्वयं जागरूक नहीं हैं और उन्हें अपने राजनीतिक नेतृत्व की चिंता नहीं है तो दूसरों को उनकी समस्याओं में दिलचस्पी क्यों होनी चाहिए। उक्त बातें ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। उन्होंने कहा कि ये सेक्युलर पार्टियां चुनाव के दौरान मुसलमानों को सब्जबाग दिखाती हैं और मुसलमान भी इन पार्टियों के जाल में फंस जाते हैं, इतना ही नहीं मुसलमान इन पार्टियों के नेताओं के झूठे और खोखले वादों को स्वीकार कर उतावले भी हो जाते हैं। नतीजा यह होता है कि चुनाव के बाद वे फिर वहीं रह जाते हैं जहां थे। उन्होंने कहा कि असल में हम उन राजनीतिक दलों से ज्यादा खुद दोषी हैं जिन्हें अपने राजनीतिक नेतृत्व की चिंता नहीं है। एक कप चाय और एक चुटकी तम्बाकू पर बिकने वाले लोग जब मुसलमानों के नेता बनते फिरेंगे तो फिर इस समुदाय का पतन ही होगा। हालात बदल गए हैं, देश का नक्शा और संविधान बदलने की तैयारी शुरू हो गई है, लेकिन दुर्भाग्य है हमारे खयालात नहीं बदले, हमारी सोच नहीं बदली, डॉ. मुहम्मद शहाबुद्दीन, आजम खान और मुसलमानों की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करने वाले नेताओं को चुनाव के मौके पर सेक्युलर आंसू बहाने वालों ने अपनी साजिश का शिकार बना लिया और आज भी वे किसी मुस्लिम नेताओं को पनपने से पहले पर कतरने के इंतजार में रहते हैं। ऐसे में हमें होश में आना होगा और संकल्प लेना होगा कि पूर्व सांसद और अल्पसंख्यकों के सच्चे हितैषी मरहूम मुहम्मद शहाबुद्दीन साहब और 18 फीसदी आबादी को जबतक उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा, संघर्ष जारी रहेगा। हम अपने राजनीतिक नेतृत्व को मजबूत करने का संकल्प लेंगे। नजरे आलम ने कहा कि सेक्युलर पार्टियाँ अगर जनसंख्या के अनुपात में मुसलमानों को राजनीति हिस्सेदारी नहीं देती है या किसी भी राजनीतिक दल में उन्हें उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाता है तो जल्द ही पटना में एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जायेगा।

राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के मौके पर भारत मंडपम में बोले धनखड़

मुफ्त सुविधाएं आर्थिक व्यवस्था को कर रहीं कमजोर, पॉकेट नहीं दिमाग सुधारें

उपराष्ट्रपति ने इस मुद्दे पर राष्ट्रीय बहस कराने की बात कही

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के मौके पर रविवार को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, "तथाकथित मुफ्त की राजनीति खर्च की प्राथमिकताओं को बिगाड़ देती है। लंबे समय में अर्थव्यवस्था, जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक सामंजस्य के लिए इस तरह का राजकोषीय संरक्षण कितना महंगा है, इस पर एक स्वस्थ राष्ट्रीय बहस की जरूरत है।

आर्थिक दिग्गजों के अनुसार मुफ्त चीजें, व्यापक आर्थिक स्थिरता के बुनियादी ढांचे को कमज़ोर करती हैं। देश में कुछ राजनीतिक दलों की ओर से जनता के लिए मुफ्त में तमाम सुविधाओं को देने की परंपरा को लेकर कई तरह की बातें कही जा रही है। समाज का एक वर्ग का मानना है कि ऐसी सुविधाएं को देने से दलों को सियासी फायदे मिल जाते हैं, लेकिन अर्थव्यवस्था पर फर्क पड़ता है। दूसरे दलों पर भी ऐसे ऐलान करने का दबाव बढ़ता है। लोग मुफ्त की सुविधाओं के आदी हो जाते हैं और अच्छी सरकार चुनने के बजाए अपनी सुविधाओं को ध्यान में रखकर सरकार चुनने लगते हैं।

सत्ता में रहने वाले इस बारे में समझें

धनखड़ ने कहा कि मैं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की बहुत सराहना करूंगा जो एक बहस को प्रेरित कर रहा है, एक पेपर ला रहा है, जो बड़े पैमाने पर लोगों के लिए बेहद जानकारीपूर्ण, प्रोत्साहित करने वाला और विशेष हो सकता है। जो लोग सत्ता में हैं, उन्हें इस बात को समझाया जा सकता है कि हमें जेबों को नहीं बल्कि मानव दिमाग, मानव संसाधन को सशक्त बनाने की जरूरत है।

देश में कानून का शासन कायम रहे

मुख्य अतिथि के रूप में धनखड़ ने देश में कानून का शासन कायम रखने के महत्व पर जोर दिया। मानव अधिकारों को सुनिश्चित करने और बढ़ावा देने में भारत की प्रगति पर बोलते हुए धनखड़ ने कहा कि हमारा 'अमृत काल' मुख्य रूप से मानवाधिकारों और मूल्यों के खिलने के कारण 'गौरव काल' बन गया।

एनएचआरसी के अध्यक्ष ने कहा

नई डिजिटल टेक्नोलॉजी कर रही अहम परिवर्तन

एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा ने समाज पर नई डिजिटल टेक्नोलॉजी के प्रभाव की परिवर्तनकारी शक्ति को स्वीकार किया। हालांकि, उन्होंने इससे होने वाले नुकसान के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह देखते हुए कि कैसे इंटरनेट उपयोगी होते हुए भी नफरत भरे भाषण और गलत सूचना के प्रसार के माध्यम से गोपनीयता का उल्लंघन कर सकता है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं कमजोर हो सकती हैं।

पहले की सरकारें महात्मा गांधी की विचारधारा को भूल गईं

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को राजघाट पर महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। गांधी स्मृति में आयोजित हुए कार्यक्रम में राजनाथने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि आज महात्मा गांधी की समाधि राजघाट में उनकी आदमकद प्रतिमा का अनावरण हुआ है। गांधी की प्रतिमा पूरी दुनिया में अनगिनत जगह लगी हुई हैं लेकिन अब उनकी समाधि पर विशाल प्रतिमा का अनावरण अहम बात है। सिंह ने कहा कि मुझे लगता है कि पूर्व की सभी सरकारें महात्मा गांधी की विचारधारा को भूल गईं। मैं इसके लिए हम सभी की तरफ से पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं।

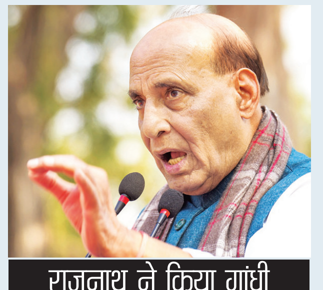

राजनाथ ने किया गांधी की प्रतिमा का अनावरण

पीएम मोदी ने गांधी की विचारधारा को अपने जीवन में उतारा

पीएम मोदी ने ही गांधी की विचारधारा को अपने जीवन में उतारा और लोगों की सेवा की। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने पहला काम 'स्वच्छ भारत' किया। महात्मा गांधी ही थे, जिन्होंने सफाई के बारे में बात की थी। कार्यक्रम के दौरान दलित सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। इस दौरान राजनाथऔर अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ दलित सम्मान समारोह में भी शिरकत की। भाजपा नेताओं ने दलितों के साथ भोजन भी किया।

राजपूत नेता हत्याकांड

दो हमलावर समेत तीन आरोपी चंडीगढ़ में गिरफ्तार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने राजस्थान पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान के तहत 'श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना' के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या में संलिप्तता के आरोप में चंडीगढ़ से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो हमलावर भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इनमें से दो वे लोग शामिल हैं, जिन्होंने गोगामेड़ी पर गोलियां चलाई थीं। इस घटना की एक सीसीटीवी फुटेज में हमलावर गोगामेड़ी पर कथित तौर पर गोलियां चलाते दिख रहे थे। पुलिस ने गोली चलाने वाले आरोपियों की पहचान जयपुर के रोहित राठौड़ और हरियाणा के महेंद्रगढ़ के नितिन फौजी के रूप में की थी और उनकी सूचना देने वाले को पांच लाख रुपए नकद इनाम देने की घोषणा की थी। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने रविवार को बताया कि अपराध शाखा की एक टीम ने राजस्थान पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर दोनों को चंडीगढ़ के सेक्टर 22 से पकड़ लिया। आरोपियों के साथ उनका एक और सहयोगी उधम सिंह भी था और उसे भी पकड़ लिया गया।पूछताछ के लिए आरोपियों को जयपुर पुलिस को सौंप दिया जाएगा। राजस्थान पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) दिनेश एम एन ने बताया कि फौजी और राठौड़ चंडीगढ़ में छिपे हुए थे। ग्यारह सदस्यीय एसआईटी (विशेष जांच दल) की निगरानी कर रहे दिनेश ने कहा कि राजस्थान पुलिस महानिदेशक और दिल्ली पुलिस द्वारा गठित एसआईटी ने शनिवार देर रात आरोपियों को पकड़ लिया।

जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा कि आरोपियों को जयपुर लाने के बाद हत्या के मामले में औपचारिक गिरफ्तार किया जाएगा। हमलावरों को सुपारी देने के आरोप में शनिवार को जयपुर में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। इसके साजिशकर्ताओं में से एक रामवीर जाट ने हत्या से पहले जयपुर में अपने दोस्त फौजी की मदद के वास्ते इस साजिश को अंजाम देने के लिए तैयारियां की थी। आरोपी गोगामेड़ी से मिलने के बहाने उनके घर गए थे और कुछ मिनट बात करने के बाद उन्होंने गोगामेड़ी पर गोलियां चला दीं। उनके सहयोगी नवीन शेखावत की भी हत्या कर दी थी।

जलगाँव में 'हर घर रंगोली' नामक प्रतियोगिता आयोजित

दिव्यांग समृद्धि राजपूत ने दिया रंगोली द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश

मुंबई हलचल/संवाददाता

जलगाँव। जिले में महिलाओं के लिए हर घर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मिली जानकारी के अनुसार जिले में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उक्त प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बताया जा रहा है कि महिलाओं को 3 गुना 3 स्क्वेयर फुट जगह में रंगोली बनाने को कहा गया था। साथ ही ये भी बताया जा रहा है कि प्रथम विजेता को 5100, द्वितीय 3100 व तृतीय विजेता को 2100 का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। गौरतलब है की सर्वश्रेठ व खूबसूरत रंगोली प्रतिभागी को 21000 की बतौर सम्मानित राशि भी रखी गई है। बता दें कि उक्त प्रतियोगिता का हिस्सा बनी दिव्यांग बेटी समृद्धि राजपूत ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की सुंदर व सराहनीय रंगोली के माध्यम से महिलाओं को भी एक प्रेरणादायक संदेश दिया है। बताया जा रहा है कि उक्त प्रतिभागियों एक विशेष

कार्यक्रम द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। दो दिन चली उक्त प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम विकास मंत्री गिरीश महाजन व स्थानीय विधायक सुरेश दामू भोले (राजू मामा) द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की संयोजिका नीता चौधरी की भी अहम भूमिका रही है।

बीजेपी राज में दलितों पर बढ़े अपराधों को लेकर एनसीआरबी द्वारा जारी ताजा आंकड़े चिंतनीय : सुनीता वर्मा

मुंबई हलचल/सुरेश कोहली

पटौदी। 'संविधान को खत्म करने व दलितों-पिछडों के प्रति नफरत रखने वाली भाजपा सरकार में इन वर्गों पर सर्वाधिक अन्याय व अत्याचार हुआ है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरपी) के ताजा सरकारी आंकड़ों को ही सच मानें तो पिछले चार वर्ष में दलित विरोधी हिंसा के मामले 46.11 फीसदी बढे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान भारत में हर 15 मिनट में किसी न किसी दलित और आदिवासी के साथ कोई न कोई आपराधिक घटना घटी है।' उक्त बातें हरियाणा कांग्रेस सोशल मीडिया की स्टेट कॉर्डिनेट सुनीता वर्मा ने प्रेस के नाम जारी विज्ञप्ति में कही। उन्होंने कहा कि बीजेपी राज में दलित उत्पीड़न की ऐसी घटनाएं घटीं, जिसने मोदी सरकार के 'सबका साथ, सबका विकास' के पाखंड की पोल खोल कर रख दी। हाथरस रेप काण्ड ने तो पुलिस सिस्टम में ही जातिवाद को साबित कर दिया, एससी/एसटी एक्ट से छेड़खानी करके इस दलित विरोधी सरकार ने जातिवादी गुण्डो को संरक्षण प्रदान करने का काम किया है। महिला कांग्रेस नेत्री ने कहा कि एससी-एसटी ऐक्ट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आड़ में दलितों का उत्पीड़न इसी सरकार में किया जा रहा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2014 के बाद दलित उत्पीड़न के मामलों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब की मूर्तियां भी सबसे ज्यादा इसी बीजेपी राज में जातिवादी गुन्डो द्वारा तोडी गई, देशभर में दर्ज सभी दलित उत्पीड़न के मामलों में प्रशासनिक अमले की संवेदनहीनता रही, जिसके लिए सीधे तौर पर सरकार दोषी है।

महिला कांग्रेस नेत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम को कथित रूप से कमजोर किये जाने के खिलाफ दो अप्रैल को किये गये भारत बंद के दौरान हुए हिंसक प्रदर्शन में कम से कम 11लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गये थे। किन्तु इस हिंसा के लिए जिम्मेदार किसी भी उच्चवर्गीय अपराधी के खिलाफ कार्यवाही इस सरकार द्वारा नही की

गई। उन्होनें कहा कि रोहित वेमुला की सांस्थानिक हत्या, तमिलनाडु में 17 साल की दलित लड़की का गैंगरेप और हत्या, तेज म्यूज़िक के चलते सहारनपुर हिंसा, भीमा कोरेगांव हिंसा, डॉक्टर पायल तड़वी की सरकारी सिस्टम द्वारा की गई हत्या। घोड़ी पर बैठने पर दलित दूल्हे की हत्या, मूछें रखने पर मार डालना व जेएनयू हिंसा प्रकरण सहित इन सभी मामलों की पूरे देश में चर्चा हुई लेकिन सिलसिला फिर भी रुका नहीं बल्कि इस सरकार में इस तरह के अपराध और ज्यादा पोषित हुए। वर्मा ने कहा कि 1949 में बाबा साहेब का पुतला फुकनें वाली इस आरएसएस और भाजपा को हमेशा से इनकी विचारधारा से चिढ़ रही है। ये लोग हमेशा उनके विचारों को खत्म करने पर लगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी केवल वोट बैंक की राजनीति करने के लिए अम्बेडकर जी के नाम पर दलितों के सामने नतमस्तक है, इनका आत्मसमर्पण उस वक्त और देखने लायक होता है जब ये लोग चुनावों में वोटों की फसल काटने के लिए दलितों के घर खाना खाने जाते हैं। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार से और प्रदेश की खट्टर सरकार से कहा की वो इन वर्गों को संवैधानिक हक दिलाकर देश में व्याप्त भय के माहौल के बीच इनको न्याय दिलाने के लिए अपना राजधर्म निभाए, क्योंकि दलितों को न्याय दिलाने वाले कानूनों को आज कमजोर कर दिया गया है। उन्होनें कहा कि न्यायपालिका में दलितों व पिछडों का प्रतिनिधित्व नगण्य होने की वजह से भी इस वंचित तबके को न्याय नही मिल पाता, इसलिए सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट में आरक्षण दिए जाने की जरूरत है।

महिला कांग्रेस नेत्री सुनीता वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में अपहरण के हर दिन औसतन 294 से अधिक, जबकि हर घंटे 12 से ज्यादा मामले तथा हर घंटे तीन मर्डर, हर दिन 78 हत्याओं के मामले दर्ज किये गये हैं। ये काफी चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में दलितों पर अत्याचार सातवें आसमान पर है थूक कांड, मूत कांड, सड़कों पर घसीटना यही भाजपा की उपलब्धि है। फिर भी आदिवासी समाज और दलित समाज इनका झंडा उठाने में ही फक्रता की अनुभूति करता है। लेकिन मोदी सरकार आज विकास की बात करते -करते अपराध में विश्व गुरु बन बैठी है।

उत्तराखंड हलचल

अमित शाह ने सीएम धामी को दिए 100/100 मार्क्स

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी धामी सरकार की जमकर तारीफ की है। वह उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि देहरादून पहुंचे थे। शाह ने कहा कि सिलक्यारा मिशन की सफलता के श्रेय भले ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी केन्द्र सरकार को दे रहे हों लेकिन धामी के कुशल नेतृत्व के कारण की यह बचाव अभियान सफल हो पाया। धामी ने रेस्क्यू के दौरान सभी का मनोबल बढ़ाया और धैर्य व शांति के साथ इस मुश्किल मिशन को अंजाम तक पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड ने अब तक अपनी सबसे अधिक प्रगति की है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब सिलक्यारा टनल में 41 श्रमिकों के फंसे हाने की सूचना मिली तो पूरा देश चिंतत हो उठा। सभी की नजर बचाव अभियान पर लगी हुई थी। अभियान के दौरान कई उतार चढ़ाव देखने को मिले। रास्ते नहीं मिल रहे थे। जैसे ही लगता कि अब श्रमिकों को बाहर निकाल लिया जाएगा फिर कोई न कोई बाधा सामने आ जाती। मुख्यमंत्री धामी ने इन परिस्थितियों में धैर्य से काम लिया। चेहरे पर शांति और मन में आत्म विश्वास के साथ वह खुद अभियान में जुटे रहे। यही एक अच्छे राजनेता की विशेषता होती है। शाह ने कहा कि धामी टनल में फंसे मजदूरों के साथ ही उनके परिजनों के सम्पर्क में रहे। उन्होंने ह्यमॉरल बूस्टिंगह्न का काम शानदार तरीके से किया और केन्द्र सरकार के साथ बेहतरीन समन्वय भी बनाए रखा। इसके लिए मैं राज्य सरकार खासतौर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई देता हूं। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड निरन्तर प्रगति कर रहा है। धामी सरकार ने पिछले छह माह में 30 से ज्यादा पॉलिसी में परिवर्तन कर उन्हें सुधार और शिथिलता के साथ लागू किया है। उत्तराखण्ड 'पॉलिसी ड्रिवन स्टेट' बनने के साथ ही अब 'पॉलिसी मेकिंग स्टेट' के रूप में भी अहम भूमिका निभाने वाला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी ने राज्य को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन दिया है।

निवेश के लिए यही उत्तराखण्ड की सबसे बड़ी ताकत है। धामी सरकार ने कई नए इनिशिएटिव लिये, सीमांत गांवों के लिए काम किया, शानदार चारधाम यात्रा मैनेजमेंट किया और इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाया। गृह मंत्री अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान कई बार मुख्यमंत्री धामी का नाम लिया और परफार्मेंस के आधार पर उन्हें 100 में से 100 मार्क्स दिए। समिट के उद्घाटन मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी मुख्यमंत्री धामी की जमकर तारीफ की थी।

रिलायंस ज्वैलरी शोरूम लूट प्रकरण में वांछित एक अभियुक्त विक्रम कुशवाहा गिरफ्तार

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

रिलायंस ज्वैलरी शोरूम लूट प्रकरण में वांछित 04 अन्य अभियुक्तों की तलाश हेतु दून पुलिस तथा एस0टी0एफ0 की टीमों द्वारा अलग-अलग प्रांतो में लगातार दबिशें दी जा रही हैं। अभियुक्तों की तलाश हेतु उत्तर प्रदेश गई पुलिस टीम को दिनांकः 08-12-23 को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि डकैती की घटना में शामिल एक अभियुक्त विक्रम कुशवाहा पीलीभीत में छुपा है, जिस पर एक एसटीएफ की पुलिस टीम द्वारा जनपद पीलीभीत में कजरी निरंजनपुर कस्बे में दबिश देकर अभियुक्त विक्रम कुशवाहा को गिरफ्तार किया गया, जिसे बाद पूछताछ देहरादून लाया गया। देहरादून में अभियुक्त से विस्तृत पूछताछ में उसके द्वारा दिनांकः 09-11-23 को रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में अपने अन्य साथियों के साथ डकैती की घटना को अंजाम देना तथा घटना के बाद पुलिस चैकिंग से बचने के लिये घटना में प्रयुक्त पिस्टल को प्रेमनगर क्षेत्रान्तर्गत शिमला बाईपास रोड पर जंगल में छुपाना बताया गया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त को साथ ले जाकर पिस्टल व अन्य सामान की बरामदगी के प्रयास किये गये। शिमला बाईपास से अन्दर जंगल में पिस्टल बरामदगी कराने के दौरान अभियुक्त द्वारा मौका देखकर पूर्व में जंगल में छुपाई गई

लोडेड पिस्टल से पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने की नीयत से फायर कर दिया तथा मौके से भागने का प्रयास करने लगा, पुलिस टीम द्वारा अपने बचाव में अभियुक्त पर जवाबी फायर किया गया। जिसमें अभियुक्त के पैर पर गोली लग गई। पुलिस द्वारा मौके पर अभियुक्त को दबोचते हुए उसके पास से लोडेड पिस्टल को बरामद करते हुए अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूछताछ में अभियुक्त विक्रम कुशवाहा द्वारा बताया गया कि बिहार जेल में बंद अभियुक्त शशांक व सुबोध के कहने पर उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रिलायंस शोरूम में डकैती की घटना को अंजाम दिया था। घटना से पूर्व दिनाँकः 31-10-23 को अभियुक्त बिहार से अपनी गैंग के अन्य साथियो रोहित व अन्नू के साथ स्विफ्ट डिजायर कार से अम्बाला आया था, अम्बाला में उतरने के बाद वह सीधे बिजनौर पहुँचा, जहां 05/06 नवम्बर को उसे 02 व्यक्तियो द्वारा घटना में प्रयुक्त आर्टिगा गाडी दी गई थी। जिसे लेकर वह देहरादून आया था। दिनांकः 09-11-23 को घटना से पूर्व अभियुक्त प्रिंस द्वारा उसे तथा घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों को अस्लहे उपलब्ध कराये गये थे। घटना को अंजाम देने के लिये अभियुक्त प्रिंस, अभिषेक तथा 02 अन्य लोगों के साथ शो रूम में गया था तथा अभियुक्त विक्रम आर्टिगा कार के साथ शो रूम के बाहर रूका था। घटना को अंजाम देने के बाद वे सभी अलग-अलग रास्तों से सहसपुर की ओर निकले तथा रास्ते में शंशाक तथा सुबोध के कहने पर उनके द्वारा सेलाकुई में सुनसान इलाके में अपनी -अपनी गाडियां छोड दी तथा अपने पास मौजूद अस्लहे को जंगल में छुपा कर अलग-अलग माध्यमो से वे सभी देहरादून से बाहर निकल गये। अभियुक्त द्वारा घटना में लूट गये माल को अविनाश व राहुल द्वारा ले जाना बताया गया, जिसके सम्बन्ध में अभियुक्त से विस्तृत पूछताछ की जायेगी।

सीएम धामी ने भाजपा नेता 'गांववासी' को दी श्रद्धांजलि

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा कार्यालय, देहरादून पहुंचकर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह रावत 'गांववासी' के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोहन सिंह रावत 'गांववासी' का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

पीओपी देखने आये एक बहरूपिये को एमआई ने किया गिरफ्तार

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। आज शनिवार को प्रेमनगर स्थित आईएमए में आयोजित हुई कैडेट्स पीओपी में पीओपी आयोजित होने के दौरान बिन पास के कैडेट्स परेड देखने पहुँचे एक बहरूपिया को मिलिट्री इंटेलिजेन्स द्वारा गिरफ्तार किया गया है। पकडे गए युवक के अनुसार वह सीडीएस की तैयारी कर रहा है व परेड देखने का इच्छुक था। आज सुबह प्रेमनगर में आईएमए में नवयुवाओं को सेना में कमिशनड देने को आयोजित हुई पीओपी परेड के संचालन के दौरान मिलिट्री इंटेलिजेंस(एमआई) को एक युवक संदिग्ध दिखा। जिसकी चेकिंग करने के दौरान एमआई को युवक के पास परेड के लिए कोई भी आधिकारिक पास नही मिला। जिसके एमआई द्वारा उस युवक को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम मुद्दसर अली(22) पुत्र सैयद मोहम्मद जफर अली निवासी- पुलिस कॉलोनी, मुगलसराय चंदौली, उत्तर प्रदेश बताया। युवक के अनुसार वह सीडीएस की तैयारी कर रहा है व आईएमए पासिंग आउट परेड देखने का इच्छुक था,इसलिए वह आज परेड देखने आया था। युवक परेड देखने के लिए आर्मी यूनिफार्म व जूते पहनकर आया था। युवक हाल में डीएल रोड स्थित राधे बॉयज हॉस्टल में रह रहा है। युवक के फोन की जांच करने पर एमआई को युवक की आर्मी यूनिफार्म में कुछ तस्वीरें भी मिली हैं। पकड़े गए युवक को एमआई द्वारा पण्डितवाड़ी पुलिस को सौंप दिया गया है। जिससे आगे की पूछताछ की जा रही है।

मोर्चरी में रखे गए शव को कुतर गए चूहे, नाराज परिजनों ने कार्रवाई की उठाई मांग

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

पौड़ी। जिला चिकित्सालय पौड़ी में बहुत बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिला चिकित्सालय के पोस्टमार्टम हाउस में रखे एक शव को चूहों ने कुतर दिया। इसको लेकर परिजन काफी नाराज हैं वहीं अस्पताल प्रशासन अपनी कमियों को छुपाने में जुटा है। मामले में ए सीएमओ रमेश कुमार ने बताया कि मोर्चरी का दरवाजा खराब होने के कारण चूहे द्वारा शव को कुतर दिया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि दरवाजे को सही करवाया जा रहा है जिससे कि इस तरह की घटना दोबारा ना हो सके। परिजन नितिन उप्रेती ने बताया कि उनके भाई का शव जिला चिकित्सालय पौड़ी के पोस्टमार्टम हाउस में लाया गया था। यहां पर रखे डिप फ्रीज का लॉक भी खराब था। उनके द्वारा यहां पर तैनात कर्मचारियों से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने डीप फ्रीज पर शव को सुरक्षित होना बताया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शीबा शेख का जन्मदिन धूमधाम से संपन्न

दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस.खान सहित कई दिग्गज हस्तियां रहीं शामिल

मुंबईहलचल / संवाददाता

मुंबई। 6 दिसंबर को शीबा शेख जी का जन्मदिन था जिस मौके पर कई मीडिया कर्मी व बॉलीवुड कलाकारो का जमावड़ा रहा। अभिनेत्री व शीबा मीडिया वर्क की प्रमुख शीबा शेख जी का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया कंट्री क्लब अँधेरी में ऑर्गनाइसे किया शीबा जी का बिजनेस पार्टनर गणेश शाहू जी ने। इस खास मौके को कई दिग्गज हस्तियों दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस.खान, योगेश लखानी (ब्राइट आउटडोर के एमडी), रामकुमार पाल जी (६४ फाउंडेशन एमडी), फिल्म प्रोड्यूसर रिजवान अंसारी, अजित पंडित, उत्तम भंसाली, कुमार गौतम, दीपा सेठ, साजन खान, शिवा देवनाथ अश्विनी ऐश कुमार,भीम राज, प्रिंस शर्मा, शुभम चौबे, टिंकू पाजी, जाकिर हुसैन, पूजा पांडेय, दीपक चतुर्बेदी, पालवी शर्मा सौरव शर्मा पंकज जी नरेश जी की मौजूदगी व मीडिया कर्मियों के बीच मनाया गया, बेहद ही खास अंदाज में मनाया। इस खास मोमेंट को अभिनेत्री ने अपने चाहने वालों के साथ सेलिब्रेट किया। अभिनेत्री व समाज सेविका शीबा शेख और गणेश शाहू ने अपने जन्मदिन सेलिब्रेशन की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने चाहने वालों के बीच साझा किया इस मौके पर गणेश शाहू व शीबा शेख ने जन्मदिन के मौके पर आने वाले गाने की जानकारी दी और शीबा मीडिया वर्क और निशा जैन एंटरटेनमेंट द्वारा प्रेजेंट कर रहे है इस में मुख्य भूमिका में शीबा शैख, अजित पंडित, उत्तम भंसाली है व आने वाले अगले अवार्ड शो 'भारतीय अमृत महोत्सव अवार्ड' का अनाउंसमेंट किया जो 26 जनवरी को आयोजित होगा जिसे शीबा मीडिया वर्क द्वारा प्रजेंट किया जाएगा। जिसमे कई सरकारी अद्किारी और फिल्मी जगत के लोग भगलेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यशराज फिल्म्स से टूटा परिणीति का नाता

परिणीति चोपड़ा आज एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का जाना- माना नाम है। एक्ट्रेस ने अबतक कई फिल्मों में काम किया है। ये बात अलग है कि उनकी कम ही फिल्में सुपरहिट हो पाई है। लेकिन फिर भी परिणीति चोपड़ा कही न कही दिखाई दे ही जाती है। लेकिन अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। खबरों की माने तो परिणीति चोपड़ा ने अपना डेब्यू करवाने वाले यशराज फिल्म्स से रिश्ता तोड़ दिया है। दरअसल, ऐसा कहा जा रहा है कि लगातार फ्लॉप फिल्में देने के कारण ऐसा हुआ है। आपको बता दे, पिछले 5 साल में रिलीज उनकी सारी फिल्में लाइन से फ्लॉप रही हैं और उनकी जगह यशराज फिल्म्स अब किसी नए चेहरे को अपनी टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी में जगह देने की तैयारी में है। आपको बता दे, एक्ट्रेस पिछले 11 सालों से यशराज फिल्म्स और इसके टैलेंट मैनेजमेंट विंग से जुड़ी हुई थीं। हालांकि, अब रिपोर्ट्स का कहना है कि परिणीति चोपड़ा और यशराज फिल्म्स के बीच का कॉन्ट्रैक्ट अब खत्म हो चूका है। वही, परिणीति अब एक अलग टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी में चली गई हैं। खबरें तो ये भी है कि परिणीति और प्रोडक्शन हाउस ने म्युचुअल और पॉजिटिव तरीके अपने इस कॉन्ट्रैक्ट को खत्म किया है। रिपोर्ट्स की माने तो, परिणीति और यशराज फिल्म्स काफी सालों से साथ हैं। प्रोडक्शन हाउस उनके लिए घर जैसा है। इसलिए यहां कोई दुश्मनी नहीं है। लेकिन परिणीति नए रास्ते तलाशना चाहती थीं और अब वो एक नई टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी में जा रही हैं।

'जख्म' का रीमेक बनाएंगी पूजा भट्ट!

दिग्गज बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट ने हाल ही में अपनी फिल्म 'जख्म' का जिक्र करते हुए कहा था कि वह इस फिल्म को री-रिलीज करना चाहती हैं। पूजा ने कहा कि उनकी यह फिल्म आज के वक्त में भी काफी रिलेवेंट है। फिल्म ने शुरू में कुछ चुनौतियों का सामना जरूर किया था लेकिन रिलीज के बाद यह नेशनल अवॉर्ड जीतने में कामयाब रही थी। बातचीत के दौरान अपनी एक और फिल्म का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 'वह दिल है कि मानता नहीं' का रीमेक चाहकर भी नहीं बना सकती हैं। पूजा ने कहा, रआप ऊब्डटट का रीमेक नहीं बना सकते हैं क्योंकि आप महेश भट्ट को रिप्लेस नहीं कर सकते, और उनके बिना यह फिल्म बन नहीं सकती है। हालांकि पूजा भट्ट ने 'जख्म' को रीमेक करने की संभावना पर बात की। पूजा भट्ट ने कहा कि वह फिल्म आज की पीढ़ी के लिए भी बहुत रिलेवेंट है। पूजा ने कहा कि जहां तक उनके निर्देशन में आने की बात है तो वह अभी इस बारे में विचार नहीं कर रही हैं। अपनी फिल्म 'सना' के सिलसिले में गई थीं। उन्होंने कहा कि वह अभी सेट पर होना एन्जॉय करती हैं। उन्हें डायलॉग्स याद करना और दूसरों के द्वारा डायरेक्ट किया जाना अच्छा लगता है।

एक्टिंग नहीं देश की सेवा करना चाहते थे शाहरुख

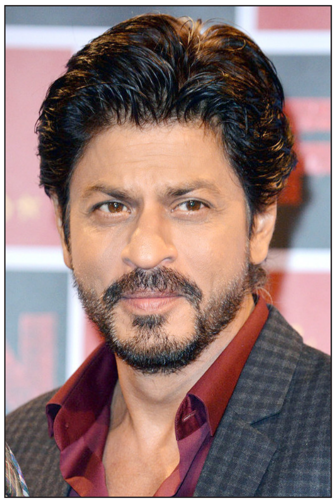

शाहरुख खान को इस फिल्मी दुनिया में आज करीब 30 साल हो गए है। इतने वक्त में शाहरुख खान ने कई हिट फिल्मों में काम करके लोगों के दिलों को जीता, लेकिन क्या आपको पता है शाहरुख खान कभी फिल्मों में आना ही नहीं चाहते थे। शाहरुख खान के सपने तो कुछ और ही थे, लेकिन किस्मत के इस खेल ने उन्हें बॉलीवुड इंडस्ट्री का बादशाह बना दिया। दरअसल, शाहरुख खान तो आर्मी ज्वाइन करके देश की सेवा करना चाहते थे। इस बात का जिक्र उन्होंने खुद एक बार अपने इंटरव्यू में किया था। शाहरुख खान का सपना तो आर्मी में जाने का था लेकिन जब उन्हें ये पता चला कि आर्मी में जाने के लिए बाल कटवाने पड़ते हैं तो उन्होंने अपने इस ख्वाब को छोड़ दिया। शाहरुख खान का ये सपना पूरा हुआ जब साल 1988 में अपने फिल्मी करियर के पहले टीवी सीरियल 'फौजी' में उन्हें रील लाइफ में वर्दी पहनने का मौका मिला और उसके बाद शाहरुख खान अभिनय की दुनिया में अपनी बादशाहत कायम करते चले गए। शाहरुख खान की जगह इस इंडस्ट्री में क्या है और उन्होंने यहां कितनी शौहरत कमाई है, इस बात से हर कोई वाकिफ है।